बिहार सरकार
उद्योग विभाग
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय

पत्रांकः– पटना, दिनांकः–

सं0सं0–ह0क0सह0(यो0/प्रखण्ड कलस्टर)– 07/2016

प्रेषक,

अपर निदेशक,(ति)
हस्तकरघा एवं रेशम,
बिहार, पटना।

सेवा में,

सभी महाप्रबंधक, (गया एवं भागलपुर छोड़कर)
जिला उद्योग केन्द्र।
उप विकास पदाधिकारी (वस्त्र),
गया/भागलपुर।
सहायक निबंधक,
बुनकर सहयोग समितियाँ, गुलजारबाग, पटना।

विषयः– **प्रखण्ड स्तरीय नए कलस्टर के गठन हेतु प्रस्ताव विहित प्रपत्र में जाँचोपरान्त स्पष्ट अनुशंसा के साथ उपलब्ध कराने के संबंध में।**

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रखण्ड स्तरीय नए कलस्टर का गठन की योजना का प्रावधान किया गया है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए क्रियान्वयन अभिकरण (IA) से प्रस्ताव की माँग की जानी है। जिसके निमित निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखा जाए।

1. हथकरघा सघनता वाले क्षेत्र में प्रखण्ड स्तरीय कलस्टर का गठन किया जा सकता है। योजना का क्रियान्वयन अभिकरण बुनकर सहयोग समितियाँ हो सकती है, जो विगत दो वर्षों में शुद्ध लाभ प्राप्त कर रहें हो।
2. इस योजना के तहत वर्ष 2016–17 के दौरान उन क्षेत्रों के कलस्टरों के चयन में प्राथमिकता दी जाएगी जहाँ कम से कम 25% लाभुक अनुसूचित जाति वर्ग हो।
3. इस योजनान्तर्गत पूर्व से स्वीकृत कलस्टरों के आस–पास का प्रखण्ड का कलस्टर को भी चयन में प्राथमिकता दी जाएगी।

(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का पत्रांक–5/1/2015-DCH/NHDP/Cluster दिनांक–08.03.2016 इसके साथ संलग्न)

इस योजना में बुनकरों को निम्न रूप से लाभान्वित किये जाने का प्रावधान है–

(i) हथकरघा बुनकरों/कामगारों के परिश्रम की कठोरता को कम करने के लिए और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों को जरूरत के अनुसार कार्यान्वित किया जाएगा।

(ii) घरेलू और अंतराष्ट्रीय बाजारों के लिए डिजाइन और रंग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए नए डिजाईनों का विकास बुनकर सेवा केन्द्र या निफ्ट के डिजाईनर अथवा प्राइवेट डिजाईनर द्वारा किया जाएगा।

(iii) कम्प्यूटर समर्थित वस्त्र डिजाइन प्रणाली के लिए अपेक्षित हार्डवेयर/साफ्टवेयर, रंग पूर्वानुमान, प्रवृति पूर्वानुमान और अन्य संबद्ध जरूरतें, जिनमें कार्ड पंचिग मशीन (यदि आवश्यक हो) शामिल है, की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

(iv) कलस्टर के क्रियाकलापों के कार्यान्वयन हेतु दो वर्षों के लिए एक पूर्णकालिक कलस्टर विकास कार्यकारी (सी0डी0ई0) की नियुक्ति की जाएगी।

(v) साझा सुविधा केन्द्र (सी0एफ0सी0) की स्थापना के लिए 50.00 (पचास) लाख रू0 तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जाएगी।

(vi) हथकरघा बुनकरों/कामगारों को तकनीकी एवं प्रबंधकीय विधाओं में कौशल विकास किया जाएगा।

योजना की विस्तृत मार्गदर्शिका एवं विहित प्रपत्र वेबसाईट www.handloom.nic.in पर उपलब्ध है।

अतः अनुरोध है कि अपने क्षेत्राधिकार में अवस्थित बुनकर बसावट में प्रखण्ड स्तरीय नए कलस्टर के गठन से संबंधित प्रस्ताव विहित प्रपत्र में सम्यक रूप से तैयार कर जाँचोपरान्त स्पष्ट अनुशंसा के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक–09.06.2016 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। ताकि इसे स्वीकृति हेतु विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली को भेजा जा सके।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन,

ह0/–
अपर निदेशक,(ह0)
हस्तकरघा एवं रेशम, बिहार, पटना।

ज्ञापांक–873 पटना, दिनांक–30/5/16

प्रतिलिपि–आई0टी0 मैनेजर, उद्योग विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

30.05.16
अपर निदेशक,(ह0)
हस्तकरघा एवं रेशम, बिहार, पटना।

D:\CO-OPERATIVE\A.V.K Sir\Block Cluster

11

No. 5/1/2015-DCH/NHDP/Cluster
Government of India
Ministry of Textiles
Office of the Development Commissioner for Handlooms

Udyog Bhawan, New Delhi,
Dated: 8th March 2016

To

Commissioner/Director In-charge of Handlooms & Textiles of all States/UTs

Sir/Madam,

As you are aware, Block level cluster, a component of National Handloom Development Programme (NHDP)/Comprehensive Handloom Cluster Development Scheme (CHCDS) was introduced in June/August 2015 and so far, 122 Block level clusters, spread in 17 States have been sanctioned. This now requires close monitoring by the Directorate of Handlooms & Textiles as well as by the Weavers'Service Centre concerned.

Further, to ensure quick implementation and give focus to disadvantaged sections, it has been decided that during the year 2016-17, new proposals for Block level clusters falling in the following categories will be given priority:

1. The clusters having atleast 25% of the beneficiaries belonging to Scheduled Caste category.
2. In 2007-08, 20 handloom Clusters, each having about 5000 handlooms to be developed at an upper GoI share of Rs. 2.00 cr. were taken up and their implementation completed in December 2012. A list of clusters with their implementing agencies is enclosed. In these clusters, all weavers could not get the benefit of the Scheme. Implementing agencies and SHGs are already mobilised in these areas. Hence, if need be, Block level cluster project may be prepared to benefit the left out weavers.
3. Blocks adjoining or nearby to already sanctioned projects so that implementation and monitoring is effective for better results in that handloom pocket.

Considering above as a guideline for taking up the block level clusters in 2016-17, I am to request you to kindly follow above and submit the proposal to this office for consideration.

Yours faithfully,

Encl.: as above

(Alok Kumar)
Development Commissioner (Handlooms)

Copy to: Officer In-charge of all Weavers' Service Centres – for information and necessary action.

(Alok Kumar)
Development Commissioner (Handlooms)